राष्ट्रसंतों को 'भारतरत्न' मिलने के लिए गुरुदेव भक्तों का एल्गार

तिवसा तहसील के गुरुदेव भक्तों की बड़ी संख्या में उपस्थिति, तहसीलदार के मार्फत राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित

...तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा

वंदनीय राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज सहित महाराष्ट्र के अन्य भूमिपुत्र महापुरुषों को जब तक भारतरत्न नहीं मिलेगा, तब तक यह संघर्ष निरंतर शुरु ही रहेगा. इसके आगे गांव-गांव में जाकर हस्ताक्षर अभियान और गुरुदेव भक्तों से भेंट करके इस संघर्ष को विशाल करने का काम शिरजगांव मोझरी गांव सहित तहसील के गुरुभक्त करेंगे.

-प्रशांत कांबले, समाजिक कार्यकर्ता

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

तिवसा, 9 फरवरी- महाराष्ट्र के अनेक महापुरुषों का देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान है. वंदनीय राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, संत गाडगेबाबा, क्रांतिसूर्य महात्मा फुले, माता सावित्रीबाई फुले, साहित्य रत्न लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे, भारत के पहले कृषि मंत्री पंजाबराव उर्फ भाऊसाहब देशमुख को भारत सरकार ने इस समय तो भी भारतरत्न पुरस्कार प्रदान करके उनके अतुलनीय कार्यों का सम्मान करना चाहिए, इस मांग को लेकर निवेदन तिवसा के तहसीलदार के मार्फत देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व राज्य के राज्यपाल को प्रेषित किए गए है.

भारत सरकार द्वारा कभी नहीं किया गया ऐसा काम पहलीबार वर्ष 2024 में 5 व्यक्तियों को भारतरत्न पुरस्कार प्रदान करके उनके कार्यों का सम्मान किया. उन 5 में से 4 व्यक्तियों को मरणोपरांत भारतरत्न प्रदान किया गया. इनमें महाराष्ट्र के महापुरुषों को मात्र, अभी तक भारत सरकार द्वारा भारतरत्न पुरस्कार से वंचित रखा गया है.

स्वतंत्रता के बाद भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने तुकडोजी महाराज को उस समय राष्ट्रसंत की पदवी बहाल की थी. देश के स्वतंत्रता संग्राम सहित देश के विविध आंदोलनों में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का अतुलनीय योगदान है. ग्राम गीता के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण भारत के विकास का, स्वच्छता का विचार रखा. उन्होंने समाजसुधार, ग्रामविकास, राष्ट्रभक्ति, वैश्विक शांति भी प्रस्थापित की है. जातिभेद, अस्पृश्यता और अंधश्रध्दा के विरोध में जीवनभर में संघर्ष किया.

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने सक्रिय भाग लिया था. उन्होंने खंजिरी भजनों के माध्यम से स्वतंत्रता सैनिकों में नवचेतना निर्माण की थी. जापान की विश्व धर्म परिषद और विश्व शांति परिषद में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज ने सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्य, कला सहित सभी क्षेत्रों में नवक्रांति की मशाल लेकर जनजागृति करके ग्राम नवनिर्माण करने का कार्य किया. भजन, भाषण, कीर्तन, रामधुन, पोवाड़ा, भारुड़, मंगलाष्टक, सुविचार, राष्ट्रसंत के पत्र, ग्रामगीता, अभंग, लहर की बरखा इन राष्ट्रसंतों के साहित्य का व सामूहिक ध्यान व सामूहिक प्रार्थना, इन सभी का समाजमन पर जबरदस्त प्रभाव हुआ है.इसके साथ ही महाराष्ट्र के अन्य महापुरुषों का भी देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है. जिसके कारण राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, संत गाडगेबाबा, क्रांतिसूर्य महात्मा फुले, माता सावित्रीबाई फुले, साहित्यरत्न लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे, भारत के पहले कृषि मंत्री पंजाबराव उर्फ भाऊसाहब देशमुख को भारत सरकार ने इस बार तो भी भारतरत्न पुरस्कार प्रदान करके उनके अतुलनीय कार्यों का सम्मान करना चाहिए, ऐसी मांग तहसील के गुरुदेव भक्तों ने की है. इस अवसर पर प्रशांत कांबले, प्रदीप वाघ, मनोहर साबले, रावसाहब देवघर, प्रशांत तायवाड़े, स्वप्निल तुरकाने, अभय मुंदरे, विनोद मालधुरे, हरीभाऊ घाटोल, विजय कुरलकर, सदानंद भालेराव, अरुण पुरी, संजय दवाले, नरेश साबले, हेमंत पोजगे, जयंत तायवाड़े, चंद्रशेखर साबले, नंदकिशोर चरपे, साहबराव होले आदि सहित सैकड़ों गुरु भक्त उपस्थित थे.

डॉ. जीशान हुसैन बने मनपा विपक्ष नेता

दी गई भूमिका में सक्रियता से काम करेंगे

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अकोला. अकोला महानगर पालिका में दुबारा पार्षद निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता डॉ. जीशान हुसैन को मनपा का विपक्ष नेता नियुक्त किया गया है. विधायक साजिद खान पठान व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ प्रशांत वाणखडे के नेतृत्व में अमरावती संभागीय आयुक्त कार्यालय में हुई परेड में यह निर्णय लिया गया.सभी निर्वाचित नगर सेवक ,नगर सेविकाओं की सहमति से हुये इस चयन से कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह देखा गया. नेताओ और कार्यकताओं ने डॉ. जीशान हुसैन को शुभकामनाएं दी. इस दौरान जीशान हुसैन ने कहा कि कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दे मजबूती से मनपा में उठायेगी.

जरुरतमंदों को आवश्यक सामग्री वितरित

टू स्माइल फाउंडेशन का समाजोपयोगी उपक्रम

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

चिखलदरा, 9 फरवरी- वर्तमान दौर में जहां चांद पर बसने की योजना बन रही है, वहीं कुछ परिवार जमीन पर भी आशियाने से वंचित दर-दर भटकने के लिए विवश है. उनके पास अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई विकल्प नहीं है. इसलिए भीख मांगना, कूड़ाकरकट बीनना यही उनके रोजगार के साधन है. ऐसे परिवार की मूलभूत आवश्यकताओं को किसी न किसी रुप में पूरा करने में टू स्माइल फाउंडेशन पिछले कुछ वर्षों से अपना सामाजिक दायित्व निभाने का प्रयास कर रहा है. उन्हें अपने संवैधानिक अधिकार, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, बाल अधिकार, रोजगार आदि की जानकारी से अवगत कराकर उनकी जनजागृति करने का काम फाउंडेशन कर रहा है. फाउंडेशन की संस्थापिका मॅरिना डेनिवल ने ऐसे बेसहारा और वंचित परिवारों को कपड़े तथा कंबल बाटकर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरने का प्रयास किया है. इस अवसर पर फाउंडेशन के उपाध्यक्ष विलसन तथा सदस्य एरियल, नीता, सारिका, ग्लॅडदिन प्रमुखता से उपस्थित थे, ऐसी जानकारी मो.अशरफ ने दी है.

चांदूरबाजार में 1364 विद्यार्थी देंगे बारहवीं की परीक्षा

आसेगांव केंद्रों में 381 परीक्षार्थियों का समावेश

चांदूर बाजार, विद्यार्थियों के भविष्य को दिशा देने वाली बारहवीं बोर्ड परीक्षा 10 फरवरी, मंगलवार से अंग्रेजी विषय के प्रथम प्रश्नपत्र के साथ शुरू हो रही है. चांदूर बाजार शहर में इस परीक्षा के लिए कुल पांच केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जहां 1,364 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे. नकलमुक्त परीक्षा अभियान के तहत सभी केंद्रों पर कड़ा बंदोबस्त किया गया है तथा परीक्षा व्यवस्था पर स्थानीय जी.आर. काबरा विद्यालय से नियंत्रण रखा जा रहा है.तहसील में चांदूर बाजार, आसेगांव और परतवाड़ा इन तीन केंद्रों के अंतर्गत परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं. चांदूर बाजार शहर के जी.आर. काबरा जुनियर कॉलेज, नगर परिषद उर्दू विद्यालय, गो.सी. टोम्पे महाविद्यालय, जिजामाता विद्यालय तथा श्री शिवाजी विद्यालय शिरजगांव बंड इन पांच केंद्रों पर परीक्षा होगी. इनमें जी.आर. काबरा विद्यालय में 285, नगर परिषद उर्दू विद्यालय में 243, गो.सी. टोम्पे महाविद्यालय में 206, जिजामाता विद्यालय में 374 तथा श्री शिवाजी विद्यालय शिरजगांव बंड केंद्र पर 256 विद्यार्थी परीक्षा देंगे. इस संबंध में कस्टडियन एवं केंद्रप्रमुख विजय देशमुख ने बताया कि सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के साथ परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है. वहीं आसेगांव पूर्णा केंद्रों अंतर्गत जनता हाईस्कूल पूर्णा नगर के 55 तथा बापुराव पाटिल तुरखड़े विद्यालय असदपुर के 226 सहित कुल 381 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे. इन केंद्रों का मुख्य केंद्र व्यंकटराव कडू विद्यालय, आसेगांव पूर्णा रखा गया है,

उप जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवा भगवान भरोसे!

कल तिवसा में किसान सभा का ठिया आंदोलन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

तिवसा, 9 फरवरी. उपजिला अस्पताल का दर्जा प्राप्त होने पर भी तिवसा तहसील स्तर पर स्थित उपजिला अस्पताल में आवश्यक रहनेवाले ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर उच्च दर्जे की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा नहीं मिलती. अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति नहीं होने के कारण प्रत्यक्ष में जनता इस स्वास्थ्य सेवा से दूर रहने के कारण इसका विरोध महाराष्ट्र राज्य किसान सभा व महाराष्ट्र राज्य लाल बावटा द्वारा उपजिला अस्पताल के समक्ष बुधवार, 11 फरवरी को ठिया आंदोलन किया जाएगा. तहसील के नागरिकों को स्वास्थ्य विषयक सेवा उपलब्ध करवाने में यहां का उपजिला अस्पताल, विशेषज्ञ डॉक्टर्स, कर्मचारी वर्ग, स्त्रीरोग व प्रसूति जैसी आपातकालीन सेवा उपलब्ध नहीं है.

उसमें भी तिवसा शहर अमरावती से नागपुर राष्ट्रीय महामार्ग पर मध्यस्थान में होने से हमेशा ही दुर्घटना होती रहती है. किंतु यहां के उपजिला अस्पताल में सुविधाओं का एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव होने के कारण हमेशा ही रेफर टू अमरावती की भूमिका ही डॉक्टरों द्वारा अपनाई जाती है, वहीं यहां के कामकाज के कारण व अस्पताल के परिसर में अंधेरे का साम्राज्य होने के कारण भय का वातावरण बना रहता है.इन स्वास्थ्य विषयक समस्याओं के संबंध में किसान सभा ने मांग की है कि सभी श्रेणी की रिक्त सीटें तत्काल भरी जाए, सभी कर्मचारियों को अस्पताल में निवास करना चाहिए, सामान्यतः 100 बेड की व्यवस्था हो, सभी उपचार यहां होने चाहिए, सामान्य शल्यक्रिया, स्त्रीरोग, प्रसूति, अस्थिरोग और आपातकालीन सेवा यहां उपलब्ध होनी चाहिए. यह आंदोलन उपजिला अस्पताल तिवसा में महाराष्ट्र किसान स्पर्धा व महाराष्ट्र राज्य कृषि मजदूरों की ओर से चंद्रकांत वडसकर, प्रकाश सोनोने, दिलीप गोहत्रे, राजाभाऊ बाभुलकर, जितेंद्र कोरडे, मनोहर वाढणकोर, रवींद्र कांदे, ममता पाटिल, माला जिरापुरे, कल्पना गोहत्रे आदि पदाधिकारी करेंगे.

आध्यात्मिक जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

वरुड ब्रम्हाकुमारी सेवा केंद्र में हुआ आयोजन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

वरुड, 9 फरवरी. प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विद्यालय, वरुड सेवा केंद्र में एक प्रेरणादायी आध्यात्मिक जागरुकता सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. इस कार्यक्रम में शहर के अनेक मान्यवर, अतिथि, समाजसेवक, व्यापारी तथा सेवाभावी नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

इस कार्यक्रम में बतौर प्रमुख अतिथि डॉ.सुधाकर बंदे, डॉ.मीना बंदे, डॉ.प्रफुल्ल होले, डॉ.रुपाली जैन, डॉ.मोनिश अंबाडकर, डॉ.शिवा पुंडकर, अशोक नानोटकर आदि सहित अनेक मान्यवर उपस्थित थे. इस प्रसंग पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सचिन ने जीवन में आनेवाली समस्याओं का समाधान आध्यात्म द्वारा नामक विषय पर अत्यंत प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन दिया. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि, जीवन में आनेवाली समस्या हमें तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि आगे ले जाने के लिए आती हैं. क्षमा करना और क्षमा मांगना ये दोनों प्रक्रिया मन को हलका करती हैं. किसी की भी गलती अथवा व्यवहार मन में गांठ बांधकर रखने पर मानसिक तनाव बढ़ता है. जिसका परिणाम वर्तमान और भविष्य दोनों पर ही होता है. मन खाली और सकारात्मक विचार रखने पर ही आनंदमय और शांत जीवन जीया जा सकता है.

सचिन भाई ने विद्यमान काल में बढ़ते जा रहे मानसिक तनाव और निराशा को लेकर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि, आज केवल युवक ही नहीं, बल्कि डॉक्टर, वैज्ञानिक और उच्च पदों पर कार्यरत व्यक्ति भी मानसिक दबाव में आ रहे हैं. इसका मुख्य कारण है आध्यात्मिक शक्ति

का अभाव. युवकों में मोबाइल और स्क्रीन का बढ़ता उपयोग चिंता का विषय होने की बात कहते हुए उन्होंने युवकों को योग्य दिशा देने के लिए आध्यात्मिक शिक्षा, भजन और संस्कारों से जोड़ना आवश्यक होने पर जोर दिया. राजयोग, ध्यान हमारी आत्मा को शक्तिशाली बनाते हैं, ऐसा उन्होंने स्पष्ट किया. जब आत्मा सर्वशक्तिमान परमात्मा से जुड़ती है तब प्रत्येक समस्या का सामना करने की शक्ति अपने आप ही प्राप्त होती है. कार्यक्रम का संचालन डॉ.चरण सोनारे ने, मुख्य वक्ता सचिन भाई का परिचय बी.के. रमेश कोरडे ने तथा आभार प्रदर्शन नितिन खेरडे ने माना. अंत में सभी उपस्थितों को राजयोग, मेडिटेशन का अनुभव करवाया गया. इस अवसर पर 7 दिवसीय राजयोग, मेडिटेशन कोर्स करने की अपील भी की गई.

निर्मला भालेकर का सत्कार

अमरावती - अध्यात्म तथा मेहनत की आराधना करनेवाली निर्मला भालेकर का सत्कार किया गया. अपना जीवन जीते समय, गगलानी नगर स्थित तुलजाभवानी मंदिर में पुजारी के तौर पर साथ ही चार स्थानों पर रोटियां बेलने का काम कर शिवपुराण नवनाथ ग्रंथ का पारायण कर अध्यात्म तथा श्रम की आराधना करनेवाली निर्मला भालेकर का हाल ही में सत्कार किया गया.

मंगल परिणय

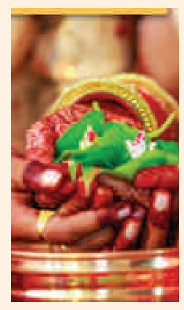

स्थानिय दस्तुर नगर निवासी श्री सुधिर घुंडियाल के **सुपुत्र चि.यश** का शुभविवाह श्री सुरेशकुमार मनसुखानी की **सुपुत्री चि.सौ.कां. चांदनी** के संग आज मंगलवार 10 फरवरी 2026 को. सलुजा सिलेब्रेशन लॉन जुना बायपास एमआयडीसी रोड अमरावती में संपन्न होने जा रहा है.

मंगलमय मिलन की शुभबेला पर नवदंम्पति को हार्दिक शुभकामनाएँ.

'प्रतिदिन अखबार-वृत्तकेसरी.'